सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 316 | इंदौर, बुधवार 03 जून, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

"DGR SUPER KINGS" का क्वार्टरफाइनल में प्रवेश

सनातनी प्रीमियम लीग के पहले दिन डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट की टीम 'DGR SUPER KINGS' ने अपने तीन मुकाबलों में से 2 मुकाबलों में क्रमशः KAMLA XI और BACKBANCHERS को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

इंदौर में सनातनी क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज रात में दूधिया रोशनी में होगा मुकाबला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्य प्रदेशः प्रदेश का सबसे बड़ा क्रिकेट महाकुंभ 'सनातनी क्रिकेट टूर्नामेंट' इंदौर बाईपास पर शुरू हो गया है। इस टूर्नामेंट का आयोजन श्री श्याम पांडे (इंदौरी गोविंदा) के नेतृत्व और उनकी भगवा टीम के तत्वाधान में निमाड़, मालवा देवास, इंदौर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

DGR न्यूज और डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट की पहल

DGR न्यूज डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट की ओर से खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयोजन किया गया है। ग्रुप हेड पुष्पेंद्र पुष्प और महेन्द्र पालीवाल ने बताया कि DGR ग्रुप की टीम DGR SUPER KINGS भी इस टूर्नामेंट में दमखम दिखाएगी।

दीप प्रज्वलन से हुआ शुभारंभ

टूर्नामेंट का शुभारंभ विधायक गोलू शुक्ला द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट के पुष्पेन्द्र पुष्प और महेन्द्र पालीवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग और खिलाड़ी मौजूद रहे।

टूर्नामेंट की खास बातें

मैच शेड्यूलः प्रतिदिन रात्रिकालीन 6 मैच खेले जाएंगे

पुरस्कारः विजेता टीम को एक लाख 51 दोपहिया वाहन, टीवी समेत आकर्षक पुरस्कार

उपविजेताः ,51,000 का पुरस्कार दिये जायेंगे

डेली अवॉर्डः प्रतिदिन बेस्ट खिलाड़ी को 500 नगद पुरस्कार भी दिए जायेंग

व्यवस्थाः दर्शकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था, हाईटेक लाइट और हरी मखमली घास से सजा मैदान

दूधिया रोशनी में सजे इस हाईटेक मैदान पर इंदौर समेत पूरे प्रदेश से आए खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने वाला यह टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ा आकर्षण बन गया है।

जनसुनवाई में जरूरतमंदों को मिली राहत प्रशासन बना आमजन का सहारा

किसी को आवास तो किसी को मिली आर्थिक सहायता

● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता से सुनीं समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरी है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की।

जनसुनवाई में पहुंचे श्री अमित रावत ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को बताया कि उनके पास रहने के लिए स्वयं का आवास नहीं है तथा वे शासन की आवास योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने मामले को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को पात्रता अनुसार आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एक अन्य प्रकरण में श्रीमती रानी जाट आर्थिक तंगी की समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने अपनी पारिवारिक एवं आर्थिक परिस्थितियों से अवगत कराया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार जनसुनवाई में पहुंचीं श्रीमती ममता यादव की समस्या भी सुनी गई। उनकी स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उन्हें भी आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

मई 2026 में कृषि उपज मंडी समिति इन्दौर की आय में सुधार

प्राप्य राशि मिलने पर 17.97 प्रतिशत वृद्धि की संभावना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कृषि उपज मंडी समिति इन्दौर द्वारा मई 2026 तक की आय (मंडी शुल्क) का विश्लेषण जारी किया गया है। विश्लेषण के अनुसार लगभग 13 माह बाद मंडी की वास्तविक मासिक आय में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही, गेहूं उपार्जन पर प्राप्य मंडी शुल्क एवं आयातित तुअर पर दी गई छूट की प्रतिपूर्ति को शामिल करने पर मंडी समिति की आय में उल्लेखनीय वृद्धि परिलक्षित होती है।

मंडी समिति के सचिव ने बताया कि मई 2025 में वास्तविक मंडी शुल्क प्राप्ति 4 करोड़ 28 लाख 28 हजार 966 रुपये थी, जो मई 2026 में बढ़कर 4 करोड़ 31 लाख 44 हजार 367 रुपये हो गई है। इस प्रकार मई माह की आय में वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले लगभग 13 महीनों में पहली सकारात्मक वृद्धि मानी जा रही है। हालांकि अप्रैल-मई की संचयी अवधि में वर्ष 2025 के दौरान 10 करोड़ 26 लाख 95 हजार 630 रुपये की तुलना में वर्ष 2026 में 8 करोड़ 93 लाख 64 हजार 871 रुपये का वास्तविक मंडी शुल्क प्राप्त हुआ है।

मंडी सचिव ने बताया कि वर्तमान आय दो प्रमुख कारणों से प्रभावित हुई है। चालू वित्तीय वर्ष अप्रैल-मई 2026 के दौरान आयातित तुअर (दलहन) पर कुल 1 करोड़ 56 लाख 86 हजार 902 रुपये की छूट दी गई है, जिसमें मई माह में 88 लाख 52 हजार 460 रुपये की छूट शामिल है।

मेट्रो प्लानिंग के 300 मीटर के दायरे में पुरातत्व महत्व के भवन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में अंडरग्राउंड मेट्रो का काम अभी शुरू भी नहीं हो पाया है और इसका मामला कोर्ट तक पहुंच चुका है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता किशोर कोडवानी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी आपत्तियों के निराकरण के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने इस मामले में एक जांच समिति गठित की है, जिसमें संबंधित अधिकारी भी शामिल हैं। समिति ने मंगलवार को राजवाड़ा और उसके आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया तथा मेट्रो के अंडरग्राउंड ट्रैक की योजना का निरीक्षण किया। अब इस मामले में 4 जून को सुनवाई होगी। समिति ने

करीब डेढ़ घंटे तक क्षेत्र का दौरा किया। कोडवानी ने कहा कि मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट के 300 मीटर के दायरे में बोलिया सरकार छत्री, कृष्णपुरा छत्री और राजवाड़ा जैसे पुरातात्विक महत्व के भवन स्थित हैं। उनका कहना है कि यह हेरिटेज एक्ट का उल्लंघन है। कोडवानी ने यह भी बताया कि उन्होंने पुरातत्व विभाग से पूछा है कि क्या मेट्रो की योजना तैयार करने से पहले विभाग से आवश्यक अनुमति ली गई थी। इंदौर में 8 किलोमीटर से अधिक हिस्से में मेट्रो का भूमिगत निर्माण प्रस्तावित है। पहले नाथ मंदिर रोड से मेट्रो को अंडरग्राउंड किया जाना था, लेकिन बाद में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की आपत्ति के बाद मेट्रो का रूट खजराना क्षेत्र से प्रस्तावित किया गया। उधर, मेट्रो स्टेशनों के निर्माण का दो स्थानों पर विरोध भी जारी है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की पार्किंग में अवैध शराब से भरी कार पुलिस ने की जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर पुलिस ने संयोगितागंज थाना क्षेत्र में स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की पार्किंग से अवैध देशी शराब जब्त की है ये शराब एक कार में रखी पाई गई, पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर कार और शराब के मालिक की तलाश शुरू कर दी है, हालांकि पुलिस को जांच के दौरान कार में एक आईडी मिली है जिसके आधार पर आगे जांच की जा रही है।

एसीपी तुषार सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण और परिवहन के खिलाफ अभियान

चलाया जा रहा है, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर किसी भी सूचना पर तत्काल एक्शन लिया जाता है ऐसा ही एक्शन संयोगितागंज थाना पुलिस ने लिया है और उसे बड़ी सफलता हाथ लगी है। उन्होंने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के एमवायएच सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की पार्किंग में एक कार खड़ी है जिसमें अवैध शराब भरी है, सूचना मिलते ही बीट प्रभारी उप निरीक्षक अरविंद खत्री को वहां फ़ोर्स के साथ भेजा गया उन्होंने आसपास तलाश किया तो कार के पास खड़ा एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भाग गया। जब कार का कोई मालिक सामने नहीं आया तो पुलिस ने पंचनामा बनाकर सफ़ेद रंग की आल्टो के10 कार क्रमांक एमपी13झेडयू 9493 का लॉक खोला और जब उसमें देखा तो उसमें शराब की पेटियां भारी हुई थीं, पुलिस को कार से देशी शराब की 16 पेटियां मिलीं जिसे उसने आबकारी एक्ट की धाराओं के तहत जब्त कर लिया और कार को भी जब्ती में ले लिया, जब्त शराब 144 लीटर है जिसकी कीमत 60,500/- रुपये बताई गई है। पुलिस को कार की तलाशी के दौरान से डैशबोर्ड से पीथमपुर धार निवासी व्यक्ति के आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त हुए, जिन्हें भी पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस इन दस्तावेजों के आधार पर कार मालिक और शराब मालिक की तलाश कर रही है।

सेंट्रल-डिवाइडर पर ऐसा पेंट किया कि धुलाई में निकल गया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए इंदौर में सेंट्रल डिवाइडरों की रंगाई-पुताई और थर्मोप्लास्टिक कलर पट्टियों का कार्य कराया जा रहा है। शहर के कई हिस्सों में यह काम जारी है, लेकिन कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने निरीक्षण के दौरान कार्य में बरती जा रही लापरवाही को उजागर किया। उन्होंने न सिर्फ निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए, बल्कि संबंधित अधिकारियों पर भी निशाना साधा। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर से

एबी रोड की ओर जाने वाले मार्ग के सेंट्रल डिवाइडर पर चल रहे काम का निरीक्षण करने पहुंचे राठौर को रंगाई-पुताई में घटिया गुणवत्ता के रंगों का उपयोग होता दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने यातायात विभाग के सहायक यंत्री और संबंधित ठेकेदार को मौके पर बुलवाया तथा उनके साथ स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रंगाई-पुताई में इस्तेमाल किया जा रहा रंग पानी डालने और हल्का रगड़ने पर ही उखड़ रहा था। एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण की आड़ में शहरभर में इस तरह के गुणवत्ताहीन कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले बापट चौराहे से राजीव आवास विहार जाने वाले मार्ग के डिवाइडर पर भी इसी तरह की अनियमितता सामने आई थी। निगम अधिकारियों और ठेकेदार की मौजूदगी में जब कार्य की गुणवत्ता की जांच की गई तो खामियां उजागर हो गईं। इसके बाद संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को फटकार लगाई गई और वरिष्ठ अधिकारियों को भी मामले की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसी लापरवाही और अनियमितताओं पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

इंस्टाग्राम के जरिए की थी दोस्ती

कोटा से इंदौर बुलाया, फिर मनाली घुमाने के नाम पर किया रेप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सोशल मीडिया के जरिए हुई दोस्ती के बाद एक युवती से दुष्कर्म और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर तिलक नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता, जो कोटा की रहने वाली है, ने बताया कि करीब 5 महीने पहले उसकी इंस्टाग्राम पर रूद्रांक्ष जामुन नाम के युवक से दोस्ती हुई थी। बातचीत बढ़ने पर आरोपी ने मोबाइल नंबर ले लिया और लगातार चैट व कॉल के जरिए संपर्क में रहा। इस दौरान उसने युवती को प्रेम जाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिया।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने उसे इंदौर बुलाया और पिपलिया स्थित लेक व्यू होटल में ठहराया, जहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए। इसके बाद दोनों मई 2026 में ट्रेन से मनाली घूमने गए, जहां भी कई बार शारीरिक संबंध बनाए गए। इसके बाद वे केदारनाथ गए और वापस लौट आए। बाद में आरोपी ने फिर इंदौर आकर युवती से मुलाकात की और शादी का भरोसा देकर दोबारा होटल में उसके साथ संबंध बनाए। कुछ समय बाद जब युवती ने शादी की बात की तो आरोपी ने साफ इनकार कर दिया और कथित तौर पर धमकी दी कि उसकी "ऊंची पहुंच" है और वह उसे नुकसान पहुंचा सकता है। डरी-सहमी युवती वहां से किसी तरह अलग होकर एक सहेली के पास पहुंची और बाद में थाने पहुंचकर पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर 13 ट्रांजेक्शन में 4.55 लाख रुपए हड़पे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे एक छात्र से निवेश के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक फरियादी अभिषेक डोडिया मेडिकल स्टूडेंट है। उसने शिकायत में बताया कि 8 अप्रैल के आसपास उसके व्हाट्सएप नंबर पर दो अलग-अलग नंबरों से मैसेज आए। मैसेज करने वालों ने खुद को धर्मा रिसर्च कंपनी का प्रतिनिधि बताया। आरोपियों ने दावा किया कि उनकी कंपनी शेयर मार्केट और अन्य निवेश प्लेटफॉर्म पर काम करती है और निवेश पर अच्छा रिटर्न दिलाती है। शुरुआत में अभिषेक ने निवेश करने से इनकार कर दिया, लेकिन आरोपी लगातार उससे संपर्क करते रहे। इसके बाद 11 अप्रैल से 6 मई के बीच आरोपियों ने अलग-अलग बहाने बनाकर उससे 13 ट्रांजेक्शन में करीब 4 लाख 55 हजार रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए। जब अभिषेक ने निवेश की गई राशि और मुनाफा वापस मांगा तो आरोपियों ने कहा कि और पैसे जमा करने पर ही रकम वापस मिल सकेगी, अन्यथा पूरा पैसा डूब जाएगा। इसके बाद आरोपी बहानेबाजी करने लगे। ठगी का एहसास होने पर अभिषेक ने बाणगंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब मोबाइल नंबरों और बैंक खातों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

घर के बाहर खड़ी गाड़ियों में लगाई आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। जलने की बदबू आने और पड़ोसियों के शोर मचाने पर परिवार के लोग बाहर निकले तो आरोपी मौके से भागते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार साईं सुमन कॉलोनी निवासी संजय डाबी की शिकायत पर जीत उर्फ बब्बन पुत्र संतोष यादव और अर्पित पुत्र पिंटू ठाकुर के खिलाफ आगजनी

और विवाद का मामला दर्ज किया गया है। संजय डाबी ने पुलिस को बताया कि दोनों आरोपी उनके घर के सामने खड़े होकर अपशब्द कह रहे थे। उन्होंने आरोपियों से कहा कि घर में मेहमान आए हुए हैं, इसलिए अभद्र भाषा का प्रयोग न करें और वहां से चले जाएं। इसके बाद आरोपी वहां से चले गए। रात में परिवार के लोग भोजन करने के बाद सो गए। कुछ देर बाद जलने की बदबू आने लगी और पड़ोसी शोर मचाने लगे। जब वे बाहर पहुंचे तो देखा कि घर के बाहर खड़ी उनकी ऑटो रिक्शा, पड़ोसी जयप्रसाद की बाइक समेत अन्य वाहनों में आग लगी हुई है। संजय के मुताबिक, उन्होंने आरोपियों को मौके पर देखा और पकड़ने के लिए दौड़े, लेकिन वे अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

युवतियों के विवाद के बाद कैब ड्राइवर पर हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा इलाके में कैब ड्राइवर पर हुए हमले का सीसीटीवी सामने आया है। बताया जा रहा है कि जिस रात एक युवती ने अपनी दो सहेलियों के साथ मिलकर एमआईजी स्थित सरपंच कैफे में एक अन्य युवती पर चाकू से हमला किया था, उसी रात बाद में अरविंदो के पास भी चाकूबाजी की घटना हुई। पीड़ित युवक थाने पहुंचा था, लेकिन थाना प्रभारी के मौजूद नहीं होने पर पुलिस ने आवेदन लेकर उसे रवाना कर दिया। मंगलवार को युवक दोबारा थाने पहुंचा और पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सौंपे हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार रात एमआईजी स्थित सरपंच कैफे में आरूही नाम की युवती पर वैष्णवी, नेहा और अच्छू ने चाकू से हमला किया था। घटना के बाद तीनों वहां से भाग गई थीं। बताया जा रहा है कि इसके बाद अच्छू अपने साथी आदि और अन्य युवकों के पास पहुंची। रात करीब 3:30 बजे अरविंदो के पास आरोपियों ने अरुण नमनवाल और उसके साथी नीरज प्रजापत को रोक लिया। आरोपियों ने दोनों से उन्हें एमआर-10 तक छोड़ने की बात कही। जब अरुण नमनवाल ने मना किया तो आरोपियों ने उस पर ब्लेड और चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसका पैर गंभीर रूप से घायल हो गया। नीरज प्रजापत के साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद आरोपी कार के कांच फोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित युवक थाने पहुंचा, लेकिन थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर के नहीं मिलने पर पुलिस ने उसे पहले इलाज कराने की बात कहकर भेज दिया। मंगलवार को युवक दोबारा थाने पहुंचा और पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सौंपे। पुलिस ने आवेदन लेकर जांच शुरू करने की बात कही है।

70 साल के बुजुर्ग ने छात्रा से छेड़छाड़ की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में 24 वर्षीय छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने 70 वर्षीय परिचित के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने होस्टल दिलाने और सामान खरीदवाने के बहाने उसे अपने घर ले जाकर अश्लील हरकतें कीं और विरोध करने पर धमकाया।

पुलिस के अनुसार, छात्रा इंदौर में पढ़ाई कर रही है। उसने शिकायत में बताया कि आरोपी शांतिलाल जैन, निवासी शाजापुर, उसका पूर्व परिचित है। 25 दिसंबर 2025 को परीक्षा देने इंदौर आने के दौरान उसकी मुलाकात गीताभवन चौराहे पर शांतिलाल से हुई थी। बातचीत में छात्रा ने बताया कि वह आगे की पढ़ाई के लिए इंदौर में होस्टल तलाश रही है। इस पर आरोपी ने उसकी मदद करने का भरोसा दिलाया और एक होस्टल भी दिखाया। छात्रा के अनुसार, होस्टल में कमरा लेने के बाद उसे आवश्यक सामान खरीदना था। इस संबंध में उसने शांतिलाल को फोन किया। आरोपी होस्टल पहुंचा और सामान खरीदने के साथ शहर घुमाने की बात कहकर अपने साथ ले गया। विजयनगर जाने का कहने के बाद वह रास्ता बदलकर नंदानगर स्थित अपने घर ले गया। पीड़िता का आरोप है कि घर पहुंचने पर आरोपी ने पानी पिलाया और कहा कि उसने उसके लिए कुछ सामान पहले से खरीद रखा है। इसके बाद वह उसके पास बैठकर अश्लील हरकतें करने लगा। छात्रा ने विरोध किया और वहां से निकलने लगी तो आरोपी ने धमकाते हुए कहा कि यदि उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो उसके लिए ठीक नहीं होगा।

घटना के बाद छात्रा काफी समय तक डरी-सहमी रही। परिवार के लोग उसे अक्सर किसी भी जरूरत पर शांतिलाल से संपर्क करने की सलाह देते थे। इसी दौरान उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी घटना की जानकारी दी। सोमवार को परिजन इंदौर पहुंचे और छात्रा के साथ परदेशीपुरा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने छात्रा की शिकायत के आधार पर आरोपी शांतिलाल जैन के खिलाफ छेड़छाड़ सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजा भोज की कर्मस्थली धार में होगी भोज शोध संस्थान की स्थापना

भोजशाला में बनेगा भव्य सरस्वती लोक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनायेगी, यहाँ राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की कर्मस्थली धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी।

भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों स्व. श्री बनसिंह, स्व. श्री अंतरसिंह एवं स्व. श्री लक्ष्मण सिंह के निकटतम परिजन को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में ये विचार व्यक्त किए। प्रदेश में गेहूं उपार्जन के नए रिकार्ड के लिए, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 26 मई 2026 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र सेवा के सफल 12 वर्ष पूर्ण हुये हैं। देशवासियों की आशा के प्रतीक प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास के साथ आत्मनिर्भरता, सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव, डिजिटल क्रांति और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित किए हैं। अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। राष्ट्र प्रथम की भावना से GYAN मंत्र में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के उत्थान तक, सीमाओं की सुरक्षा से नक्सल व आतंक मुक्त भारत के निर्णायक परिणाम तक, भारत ने अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी को बधाई दी।

● समान नागरिक संहिता के संबंध में 15 जून तक दिए जा सकेंगे सुझाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समान नागरिकता संहिता के संबंध में सुझाव प्राप्त करने के लिए वेबसाईट निर्माण की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि जिलों में उच्च स्तरीय समीति द्वारा भ्रमण किया जा रहा है, जहां जन सामान्य, राजनीतिक दल, गैर शासकीय संगठन आदि इस संबंध में अपना मत प्रस्तुत करेंगे। सुझाव देने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिगण को यूसीसी के लिये बनी इस उच्च स्तरीय समिति और इसके कार्यों तथा वेबसाईट का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे हमें अधिक से अधिक सुझाव प्राप्त हो सकेंगे।

● प्रदेश के आधुनिक कौशल प्रशिक्षण मॉडल से युवाओं को विदेश में मिल रहे हैं रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में विकसित हो रहा कौशल तंत्र अब युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय रोजगार अवसरों से भी जोड़ रहा है। संस्थान के बैच-9 के तीन विद्यार्थियों का चयन हंगरी में रोजगार के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थी हंगरी पहुंचकर अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ कर चुके हैं। इस वर्ष माह अप्रैल-मई 2026 में 16 कम्पनियों में 236 बच्चों को प्लेस किया है। यह उपलब्धि प्रदेश में विकसित हो रहे आधुनिक कौशल प्रशिक्षण मॉडल और उद्योगोन्मुख शिक्षा व्यवस्था को रेखांकित करती है।

● राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड, व्यापारी समुदाय के कल्याण में होगा सहायक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। इससे व्यापारी समुदाय के कल्याण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए बेहतर वातावरण निर्मित करने और प्रदेश के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

रक्षाबंधन के पहले एमपी में शुरू होगी सुगम परिवहन बसें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राजधानी में मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में रक्षाबंधन से पहले मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। सरकार का प्रयास है कि रक्षाबंधन पर बहनों को राज्य परिवहन की बसों में सफर की सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों को आज भी आवागमन के लिए लोडिंग वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। नई व्यवस्था शुरू होने से आम नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी। विधानसभा में मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार चरणबद्ध तरीके से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस साल रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाइयों के घर राज्य परिवहन की बसों से यात्रा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कई क्षेत्रों, विशेषकर आदिवासी इलाकों में पर्याप्त परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में लोगों को लोडिंग वाहनों से सफर करना पड़ता है। सुगम परिवहन सेवा शुरू होने के बाद इन क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो सकेगा। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य परिवहन आम नागरिकों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सरकार एक ओर आधुनिक और बेहतर सड़कों का निर्माण कर रही है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य परिवहन व्यवस्था को बंद करने की शुरुआत कांग्रेस शासनकाल में हुई थी। अब जब गांवों तक सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच चुकी हैं, तो बेहतर परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराना भी सरकार की जिम्मेदारी है। इसी सोच के तहत मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया था।

पति और सास को भेजा गया जेल

भोपाल, एजेंसी। सीबीआई की विशेष अदालत ने दिव्शा शर्मा के पति समर्थ सिंह और सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। सीबीआई ने दोनों आरोपियों की पुलिस रिमांड नहीं मांगी, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें 16 जून तक भोपाल सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया। दोनों को अन्य कैदियों से अलग रखा जाएगा। इससे पहले भोपाल के दिव्शा शर्मा डेथ केस में रिमांड खत्म होने के बाद मंगलवार को गिरिबाला और समर्थ को सीबीआई ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट रूम के अंदर दोनों पक्षों के वकीलों के बीच बहस हुई।

छात्रा से गैंगरेप

भिंड, एजेंसी। जिले की झांकरी चौकी क्षेत्र में 9वीं कक्षा की छात्रा से गैंगरेप, हत्या और शव जलाकर साक्ष्य मिटाने के मामले को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद छात्रा का शव गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों ने झांकरी चौकी के पास सड़क पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को फांसी देने और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश देने में जुट गए।

डॉ. यादव ने की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा

पेयजल आपूर्ति में कोई कमी न रहे : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों को समुचित पेयजल आपूर्ति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को पर्याप्त और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। गर्मी के मौसम और बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था की सतत् निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिये कि जहां जैसी आवश्यकता हो, वहां वैसी त्वरित व्यवस्थाएं की जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में जल अभाव की स्थिति बन रही है, वहां तत्काल

वैकल्पिक व्यवस्थाएं लागू कर पानी उपलब्ध कराया जाए। बैठक में पीएचई की मैदानी योजनाओं एवं पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने बताया कि विभाग तेजी से अपनी लक्ष्य पूर्ति की ओर बढ़ रहा है। मार्च 2028 से पहले प्रदेश में हर घर नल से जल के उद्देश्य से जल जीवन मिशन का काम पूरा कर लिया जायेगा। मिशन का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। उज्जैन राजस्व संभाग सहित प्रदेश के 11 जिलों में जल जीवन मिशन का शत् प्रतिशत कार्य हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शत-प्रतिशत कार्य करने वाले ऐसे गांवों/ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन/सम्मानित किया जाये, जिन्होंने बेहतर तरीके से नल जल योजनाओं का संचालन/संधारण किया। मंत्री श्रीमती उइके ने बताया कि बोरवेल में गिरने से होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं/मृत्यु को रोकने के लिए प्रदेश में बोरवेल अधिनियम बनाया गया है। ऐसा अधिनियम बनाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है। उन्होंने विभागीय संरचना और गतिविधियों को अधिक बेहतर बनाने के लिए विभाग के सिविल विंग, मैकेनिकल विंग और जल निगम को एकीकृत करने का सुझाव दिया।

दो बाइक की भिड़ंत दो लोगों की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **सिवनी, एजेंसी।** जिले के धनौरा-कहानी मार्ग पर थांवरी गांव के पास मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे हादसा हो गया। दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद पीछे से आ रही एक स्कूटी भी दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी मनीष बंसोड़ के अनुसार, कहानी ग्राम की तरफ से एक बाइक पर महिला सहित 3 लोग सवार होकर आ रहे थे और उनके पीछे एक स्कूटी पर 2 लोग थे। इसी दौरान विपरीत दिशा (धनोरा ग्राम) से आ रही एक अन्य बाइक पर 3 महिलाएं सवार थीं। थांवरी गांव के पास सीधी सपाट सड़क पर दोनों बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

मंगोलिया पहुंचे भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों के पवित्र अवशेष

भोपाल, एजेंसी। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, भगवान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्यों, अरहंत सारिपुत्र एवं अरहंत मौद्गल्यायन के पवित्र अवशेषों को भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से मंगोलिया लेकर पहुंचे। मंगोलिया पहुंचने पर हवाई अड्डे पर मंगोलिया के शिक्षा मंत्री एल.एंख-अमगलान तथा गंडनतेगचेनलिंग मठ के मुख्य महंत खाम्बा नोमुन खान गेशे ल्हारम्पा डी. जावजानदोरज ने उनका श्रद्धापूर्वक स्वागत किया।

संपादकीय

कर्नाटक राज्यसभा चुनाव: 'बाहरी' बनाम 'क्षेत्रीय' संतुलन की चुनौती

कांग्रेस आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए कर्नाटक से बाहर के नेताओं पर दांव खेल सकती है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की ओर से 18 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनावों में राज्यसभा की चार सीटों में से तीन सीटें जीतने की संभावना है। ऐसे में पार्टी हाईकमान द्वारा राज्य के बाहर से किसी कांग्रेस नेता को नामित करने पर विचार किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इस रेस में तीन नाम सबसे आगे चल रहे हैं। ये हैं वाईएस शर्मिला , सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा। द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक के बाहर के तीन नेता वाईएस शर्मिला, सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा कर्नाटक से राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस नेतृत्व से संपर्क साध रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा शर्मिला की हो रही है। शर्मिला भी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। जनवरी 2024 में शर्मिला ने अपनी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल हो गईं। उन्हें उम्मीदवारों में सबसे आगे माना जा रहा है। सुप्रिया श्रीनेत फिलहाल कांग्रेस की सोशल मीडिया और डिजिटल कम्युनिकेशन की प्रेसीडेंट हैं और पार्टी की एक प्रमुख प्रवक्ता हैं। वह अक्सर टीवी पर होने वाली डिबेट में कांग्रेस के पक्ष में बेहद मुखरता से बोलती हैं। पवन खेड़ा हाल ही में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी द्वारा उनके खिलाफ दायर एक मामले के संबंध में सुर्खियों में रहे हैं। हाल ही में वह NEET पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरते हुए दिखे थे। कर्नाटक में राज्य के बाहर के नेताओं को राज्यसभा के लिए चुने जाने का इतिहास रहा है। 2024 में कांग्रेस ने दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन को उच्च सदन के लिए मनोनीत किया था। भाजपा ने भी राज्य से गैर-कर्नाटक नेताओं को मैदान में उतारा था, जिनमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी शामिल थीं। निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मुख्यमंत्री पद के लिए नामित डी.के. शिवकुमार अगले कुछ दिनों में नई दिल्ली में केंद्रीय नेताओं के साथ परामर्श के दौरान राज्यसभा के लिए पार्टी के उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता सिद्धारमैया को राज्यसभा भेजने के पक्ष में हैं। हालांकि, सिद्धारमैया ने यह साफ कर दिया है कि वह राज्य की राजनीति में सक्रिय रहना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के राज्यसभा के लिए फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। अगर कांग्रेस परिषद (केपीसीसी) वीरशैव-लिंगायत समुदाय से उम्मीदवार नामित करने का फैसला करती है, तो उसके महासचिव बसवराजु एपी को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पिछले लगभग 25 वर्षों में कर्नाटक से इस समुदाय का कोई भी कांग्रेस नेता राज्यसभा के लिए निर्वाचित नहीं हुआ है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद का विधान परिषद में कार्यकाल इस महीने समाप्त हो रहा है। हालांकि राज्यसभा नामांकन के लिए उनके नाम पर भी चर्चा चल रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार वे विधान परिषद में एक और कार्यकाल हासिल करने के इच्छुक हैं और नई सरकार में मंत्री पद के लिए भी पैरवी कर रहे हैं।

ज्ञान-विज्ञान

धरती पर इन चार पहाड़ों पर छिपे हैं एलियन बेस

CIA के पूर्व स्पाई का खुलासा

अमेरिकी सेना के इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट के रिटायर्ड अधिकारी लिन बुकानन ने एक पॉडकास्ट में बेहद चौंकाने वाला दावा किया है. उन्होंने 'अमेरिकन अल्केमी' पॉडकास्ट में होस्ट जेसी मिशेल को दिए इंटरव्यू में बताया कि पृथ्वी के चार अलग-अलग और सुदूर पहाड़ों के भीतर एलियंस के सीक्रेट अड्डे बने हुए हैं.

ये ठिकाने सिर्फ रहने की जगह नहीं हैं, बल्कि ये अंतरिक्ष से आने वाले यूएफओ (UFO) के एंट्री पॉइंट, मरम्मत केंद्र और खुफिया जानकारी जुटाने वाले हब के रूप में काम करते हैं. लिन बुकानन कोल्ड वॉर के दौरान अमेरिकी सरकार के एक बेहद गोपनीय साइकिक रिसर्च प्रोग्राम का हिस्सा थे, जहां इंसानी चेतना और दिमाग की शक्तियों का उपयोग करके दूर बैठे दुश्मनों या ठिकानों की जासूसी करने का प्रयास किया जाता था.

इस तकनीक को रिमोट व्यूइंग कहा जाता है. हालांकि, इन दावों का कोई सार्वजनिक या वैज्ञानिक सबूत मौजूद नहीं है, लेकिन इस खुलासे ने दुनिया भर के यूएफओ प्रेमियों और वैज्ञानिकों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है.

क्या है सीआईए का प्रोजेक्ट 'स्टारगेट' और रिमोट व्यूइंग का रहस्य

लिन बुकानन ने जिन हैरान करने वाले दावों का जिक्र किया है, वे असल में अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के एक बेहद गोपनीय प्रोजेक्ट का हिस्सा थे, जिसे 'प्रोजेक्ट स्टारगेट' के नाम से जाना जाता है. 1970 के दशक में शुरू हुए इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य ऐसे लोगों को सेना में शामिल करना था जिनके पास असाधारण मानसिक या साइकिक क्षमताएं थीं.

इन लोगों को बिना किसी कैमरे, सैटेलाइट या भौतिक साधन के सिर्फ आंखें बंद करके अपने दिमाग की शक्ति से किसी भी दूरदराज के स्थान की तस्वीरें देखने और वहां की हलचल का पता लगाने का काम दिया जाता था, जिसे रिमोट व्यूइंग कहते थे. बुकानन को इस प्रोग्राम के तहत इन गुप्त पहाड़ी ठिकानों पर नजर रखने और उनकी सूची तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी.

हालांकि, अमेरिकी सरकार ने 1995 में इस पूरे प्रोग्राम को यह कहते हुए आधिकारिक तौर पर बंद कर दिया कि यह तकनीक खुफिया जानकारी जुटाने के लिए वैज्ञानिक रूप से अविश्वसनीय और अप्रभावी है.

कैसे हुआ इन गुप्त एलियन बेस का पहली बार खुलासा

बुकानन से भी पहले इन गुप्त ठिकानों की पहचान 1973 में 'पैट प्राइस' (Pat Price) नाम के एक पूर्व पुलिस अधिकारी ने की थी, जो इस सरकारी साइकिक प्रोग्राम के शुरुआती और सबसे प्रतिभाशाली रिमोट व्यूअर्स में से एक थे. पैट प्राइस के इन अविश्वसनीय दावों की सत्यता जांचने के लिए सीआईए ने बाद में 'प्रोजेक्ट 8200' नाम से एक और सीक्रेट मिशन चलाया था.

लिन बुकानन सहित कई अन्य स्वतंत्र रिमोट व्यूअर्स को बिना कोई जानकारी दिए उन पहाड़ों पर मानसिक नजर रखने को कहा गया. बुकानन का दावा है कि जब उन्होंने बिना नाम जाने उन जगहों को अपने दिमाग से देखा, तो उनके द्वारा बनाए गए स्केच और विवरण सालों पहले पैट प्राइस द्वारा बनाए गए स्केच से हूबहू मेल खा रहे थे. यह इस बात का सबसे बड़ा सबूत था कि पहाड़ों के भीतर कोई न कोई अजीब और छिपी हुई संरचनाएं जरूर मौजूद हैं.

आइए जानते हैं लिन बुकानन द्वारा बताए गए उन चार पहाड़ों को...

अलास्का का माउंट हेस - खुफिया निगरानी केंद्र

बुकानन के अनुसार, पहला और सबसे महत्वपूर्ण ठिकाना अमेरिका के अलास्का में स्थित 'माउंट हेस' के भीतर छिपा हुआ है. इस बेस को पूरी पृथ्वी पर नजर रखने वाले एक निगरानी केंद्र है. जब बुकानन से पूछा गया कि इस ठिकाने का उपयोग किसलिए होता था, तो उन्होंने बताया कि इसका काम पृथ्वी से जुड़े सभी प्रकार के डेटा, सिग्नल और खुफिया जानकारियां इकट्ठा करना है.

उन्होंने दावा किया कि शुरुआती रिमोट व्यूअर्स (पैट प्राइस और जो मैकमोनीगल) को यहां इंसान और एलियंस एक साथ मिलकर काम करते हुए दिखाई दिए थे. हालांकि, जब सालों बाद बुकानन ने खुद अपने दिमाग से इस साइट को देखा, तो वहां का माहौल बदल चुका था. उन्होंने पाया कि अब वहां किसी भी स्टाफ या जीव की जरूरत नहीं थी; पूरा का पूरा बेस पूरी तरह से ऑटोमेटेड हो चुका था और उपकरण अपने आप चल रहे थे. माउंट हेस को वैसे भी लंबे समय से यूएफओ साइटिंग्स और अजीब रोशनी दिखने के कारण एलियंस का गढ़ माना जाता रहा है.

ऑस्ट्रेलिया का माउंट जील- यूएफओ का इंटरनेशनल एयरपोर्ट

ऑस्ट्रेलिया के नॉर्दर्न टेरिटरी में स्थित माउंट जील को बुकानन ने एक बिल्कुल अलग और अनोखा ठिकाना बताया. यह पहाड़ खुफिया जानकारी जुटाने के बजाय अंतरिक्ष से आने वाले मेहमानों के लिए एक 'पोर्ट ऑफ एंट्री' या 'अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' की तरह काम करता है.

ब्रह्मांड से आने वाले दोस्ताना और शांतिप्रिय एलियंस पहले इस पहाड़ के भीतर बने बेस पर उतरते हैं और फिर यहीं से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैल जाते हैं. यह ठिकाना कई मंजिलों या स्तरों में बना हुआ है. इसके ऊपरी स्तरों पर यूएफओ के उतरने और उड़ान भरने के लिए डॉकिंग एरिया बना है, जबकि इसके निचले स्तरों पर इन अंतरिक्ष यानों की तकनीकी जांच और रखरखाव का काम किया जाता है.

बुकानन ने एक बेहद अजीब वाकया साझा करते हुए बताया कि एक सेशन के दौरान जब वे इस बेस को देख रहे थे, तो वहां मौजूद एलियंस को उनकी मानसिक उपस्थिति का अहसास हो गया था. वहां उन्हें एक 'ग्रे एलियन' महिला अपने बच्चे के साथ दिखाई दी थी, जिसने बुकानन को इशारा करके यह जताया कि उन्हें पता है कि कोई उन्हें देख रहा है और इसमें कोई समस्या नहीं है.

जिम्बाब्वे का माउंट न्यांगानी- यूएफओ रिपेयर सेंटर

अफ्रीका महाद्वीप के जिम्बाब्वे में स्थित 'माउंट न्यांगानी' के भीतर छिपे तीसरे ठिकाने को लिन बुकानन ने एलियंस का वर्कशॉप या रिपेयर सेंटर बताया है. उनका दावा है कि जब भी अंतरिक्ष में या पृथ्वी के वायुमंडल में चक्कर काट रहे यूएफओ या एलियंस के क्राफ्ट में कोई तकनीकी खराबी आती है, तो उन्हें मरम्मत के लिए इसी पहाड़ी ठिकाने के भीतर लाया जाता है.

बुकानन ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह जगह बेहद सुरक्षित है. इसकी सुरक्षा बहुत कड़ी है. माउंट न्यांगानी क्षेत्र में पर्यटकों और स्थानीय लोगों के रहस्यमय तरीके से लापता होने की कई पुरानी घटनाएं सामने आती रही हैं. इस पर बुकानन ने आशंका जताई कि जो लोग भी गलती से इस पहाड़ के आसपास किसी संवेदनशील जानकारी या एलियन गतिविधि को देख लेते हैं, उन्हें वहां से हमेशा के लिए गायब कर दिया जाता है.

फ्रांस-स्पेन सीमा पर पाइरेनीज पर्वत - अज्ञात बेस

बुकानन ने चौथे और अंतिम कथित एलियन ठिकाने का जिक्र यूरोप में फ्रांस और स्पेन की सीमा पर फैले 'पाइरेनीज पर्वत' की श्रृंखलाओं के बीच किया. हालांकि, इस ठिकाने को लेकर उन्होंने ईमानदारी से एक बात स्वीकार की कि उन्होंने खुद कभी इस जगह का रिमोट व्यूइंग सेशन नहीं किया था. बुकानन ने पॉडकास्ट में कहा कि मैंने कभी पाइरेनीज पर्वत वाले बेस की व्यक्तिगत रूप से जांच नहीं की, इसलिए मैं निश्चित तौर पर नहीं कह सकता कि वहां किस तरह की गतिविधियां चल रही हैं. लेकिन उन्होंने यह जरूर स्पष्ट किया कि सीआईए के रिकॉर्ड्स और पैट प्राइस के शुरुआती विवरणों में इस चौथी जगह का भी उतनी ही प्रमुखता से उल्लेख किया गया था, जितना बाकी के तीन पहाड़ों का था.

Uttarpradesh

चार का कत्ल: रजाई-कंबल से ढके शव, डिटर्जेंट से धोया फर्श इसलिए किया तेल का उपयोग; सामूहिक हत्याकांड की कहानी

प्रयागराज, (एजेंसी) प्रयागराज में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या का मामला सामने आया है। कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटा-बेटी की हत्या की गई है। शव बंद घर और दुकान में मिले हैं। बाहर से ताला जड़ा था। अलग-अलग कमरों में सभी के शव खून से लथपथ मिले। करोड़ों रुपये की संपत्ति के लालच में हत्याकांड की आशंका है।

प्रयागराज शहर के बीचों-बीच साउथ मलाका के सब्जी मंडी चौराहा स्थित मकान में कारोबारी, उनकी पत्नी, बेटा और बेटी की सिर कुंचकर हत्या कर दी गई। मंगलवार को दुर्गंध आने पर घर का ताला तोड़ा गया

तो कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), पत्नी अनीता (65), बेटी मीनाक्षी (45) और बेटे अभिषेक (40) के शव अलग-अलग कमरे में खून से लथपथ पड़े मिले।

चारों के सिर पर गहरी चोट के निशान थे। शुरुआती जांच में करोड़ों रुपये की संपत्ति के लालच में वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई गई है। वीरेंद्र कुमार वैश्य साउथ मलाका चौराहा स्थित अपने घर में पत्नी, बेटी और बड़े बेटे के साथ रहते थे। छोटे बेटे अश्विनी को उन्होंने करीब 15 साल पहले संपत्ति से बेदखल कर दिया था। करीब 200 वर्ग गज के इस मकान के भूतल में 14 दुकानें हैं। इनमें 12 किरायेदार हैं। उक्त दुकानों से हर महीने एक लाख रुपये से अधिक का किराया आता है। एक दुकान अभिषेक की है। दूसरी बेटी मीनाक्षी की है।

Uttarakhand

केदारनाथ में प्रचंड भीड़ और वायरल वीडियो के बाद भाजपा सरकार का ऐलान, चारधाम दर्शन के नए नियम

देहरादून, (एजेंसी) पिछले दिनों केदारनाथ दर्शन को लेकर लोगों की भारी-भरकम भीड़ और रोते-बिलखते श्रद्धालुओं की आपबीती वाले वायरल वीडियो सामने आए थे। इसके बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा है कि चारधाम यात्रा के दौरान धामों की धारण क्षमता के अनुरूप दर्शन को लेकर व्यवस्था बनाई जाएगी। उन्होंने चारधाम यात्रा को लेकर अधिकारियों को कई निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धामों में दर्शन के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करें। किसी भी धाम या पड़ाव के लिए तय क्षमता से अधिक लोगों के आने की स्थिति में नीचे के होल्डिंग एरिया-प्रमुख चेक प्वाइंट्स पर वाहनों व श्रद्धालुओं की आवाजाही नियंत्रित की जाए। भीड़ प्रबंधन के लिए चरणबद्ध व्यवस्था अपनाते हुए यात्रियों को भेजा जाए ताकि धामों में अव्यवस्था की स्थिति पैदा न हो। सीएम ने कहा कि भीड़ नियंत्रण के तहत श्रद्धालुओं को रोकने पर उन्हें इस के कारण, संभावित प्रतीक्षा समय और आगे की व्यवस्था की सूचना नियमित उपलब्ध कराई जाए। यात्रियों को किसी भी परिस्थिति में जानकारी के अभाव का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए सार्वजनिक सूचना प्रणाली, एलईडी डिस्प्ले, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और एफएम रेडियो से सूचनाएं पहुंचाई जाएं।

Gujrat

अवैध घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 100 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े, पूछताछ जारी

अहमदाबाद, (एजेंसी) अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न स्थानों से 290 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पूछताछ में 131 अवैध बांग्लादेशी पाए गए हैं, जबकि अन्य 160 संदिग्ध हैं, जिनसे पूछताछ चल रही है। यह जानकारी क्राइम ब्रांच की ओर से दी गई है। देर रात चलाए गए एक बड़े अभियान में अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 290 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया। इनमें से 131 लोगों की पहचान अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के रूप में की गई है, जबकि करीब 160 अन्य संदिग्धों से सघन पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस द्वारा पूरे शहर में लोगों के दस्तावेजों का सत्यापन और प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है तथा सभी संदिग्धों की पहचान और नागरिकता संबंधी विवरणों का सत्यापन किया जा रहा है। अहमदाबाद पुलिस ने बताया कि अभियान के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

New Delhi

10 हजार मकानों वाली बस्ती में सुबह से गरजने लगे कई बुलडोजर

फरीदाबाद, (एजेंसी) फरीदाबाद की सघन बस्ती नेहरू कॉलोनी में बड़ा बुलडोजर ऐक्शन बुधवार सुबह शुरू हो गया। नगर निगम ने दल-बल के साथ अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। 6 जेसीबी और एक बड़ी मशीन की मदद से मकानों को हटाया जा रहा है। उधर, प्रभावित परिवारों ने पुनर्वास की मांग उठाते हुए कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। अधिकारियों की ओर से अभी यह जानकारी नहीं दी गई है कि कुल कितने मकानों को तोड़ा जाएगा।

बुधवार सुबह करीब सात बजे शुरू हुई कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने नेहरू कॉलोनी की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों को बंद कर दिया। मेट्रो रोड,

सैनिक कॉलोनी, बिजली दफ्तर मार्ग, मुल्ला होटल क्षेत्र और तारण नंबर की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। रास्ते बंद होने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ दफ्तर जाने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

खेल

प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास

नॉर्वे शतरंज में कार्लसन को दूसरी बार हराया हारते वक्त मैग्नस की ऐसी थी प्रतिक्रिया

ओस्लो। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने नॉर्वे चेस 2026 में एक और यादगार उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने मेजबान देश के स्टार खिलाड़ी और विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल मुकाबले में हराकर इतिहास रच दिया। यह इस टूर्नामेंट में कार्लसन के खिलाफ उनकी दूसरी क्लासिकल जीत रही। इस उपलब्धि के साथ प्रज्ञानंद एक ही नॉर्वे चेस संस्करण में कार्लसन को दो बार क्लासिकल प्रारूप में हराने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। साथ ही, वह इस वर्ष विश्व नंबर-1 खिलाड़ी को क्लासिकल मुकाबलों में दो बार हराने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। मुकाबला समाप्त होने के बाद कार्लसन के चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी। उन्होंने प्रज्ञानंद से हाथ मिलाया, सिर हिलाते हुए अपनी हताशा जाहिर की और कुछ ही देर बाद खेल क्षेत्र से बाहर चले

गए। कार्लसन के लिए यह हार सिर्फ एक मैच गंवाने भर की नहीं थी, बल्कि उनके आठवें नॉर्वे चेस खिताब के सपने को भी बड़ा झटका देने वाली साबित हो सकती है।

सिनेमा

'फिल्म इंडस्ट्री से दूरी जरूरी थी', भारत भाग्य विधाता की रिलीज से पहले क्यों बोलीं कंगना रनौत?

कंगना रनौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म भारत भाग्य विधाता के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उनकी फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कंगना रनौत ने बताया कि कैसे बॉलीवुड से दूरी और पॉलिटिक्स की वजह से वो एक नर्स का रोल निभा पाईं। उन्होंने कहा कि जब वो इस किरदार (नर्स) की लाइफ में घुसीं तब उन्हें एहसास हुआ कि फिल्म इंडस्ट्री से दूरी उनके लिए कितनी जरूरी थी। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर कंगना रनौत ने कहा, "हम एक बबल में रहते हैं और असलियत से बहुत दूर हैं। इसलिए जब मैं इस किरदार के जीवन में घुसी, तो मुझे एहसास हुआ कि फिल्म इंडस्ट्री से कुछ दूरी मेरे लिए कितनी जरूरी थी।" कंगना रनौत ने आगे कहा, "पिछले कुछ सालों में, एक राजनेता के तौर पर मुझे आम आदमी से बात करने का मौका मिला। मैं अपने आपको एक महान एक्टर मान सकती हूं, लेकिन अगर मैं वास्तविकता से जुड़ी नहीं रहूंगी तो इस भूमिका में बिल्कुल नाकाम साबित होऊंगी।" कंगना रनौत ने कहा कि आप एक बबल में रह सकते हैं, प्रोटीन शेक पीकर हर सुबह जिम जा सकते हैं, लेकिन आप ये नहीं जान सकते कि असल जीवन कैसे जिया जाता है। मैं एक मिडल क्लास बैक्ग्राउंड से आती हूं, लेकिन फिर भी फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए मुझे काफी समय हो गया है।

Highlights

1. **Man protests on road after VIP convoy halts Bengaluru traffic**
2. **India tightens silver import rules, mandates prior approval from DGFT**
3. **What are petrol, diesel prices on June 3?**
4. **10-15 TMC MPs are in touch with me: BJP MLA amid buzz over 'TMC without Mamata'**
5. **IMD's below-normal monsoon forecast worries BMC as Mumbai water stock dips to 45 days**
6. **Uttar Pradesh's Fazilnagar town to be renamed as Pawagarh: CM Yogi**

Tech Tonic: Reassessing the subscription bundle

NEW DEIHI, (Agency). This week, Amazon in India is frantically sending out cheerful emails to customers, informing them of upcoming changes to existing Prime subscriptions. That, in Amazon's parlance, usually only means one thing—you'll be invited to pay more for another subscription tier. And yes, that was the case. Cue something called Amazon Music Unlimited. Symptomatic of the time we are in, this symbolises we've come a long way from the promises that streaming platforms made all those years ago. To be cost-effective, convenient, and everything else to urge you to give up your cable TV or direct-to-home (DTH) subscriptions. That value-for-money buffet is now permanently closed.

Many are called, but few are chosen. Look closely, and you'll realise the situation is this—you can flex having a majority of the streaming subscriptions, but very few are wholesome in the truest sense. If we're to tackle this from a sports lens, you have JioHotstar for cricket and football, apart from the collections of HBO Max and Paramount+. There's Sony Liv for the European football. Soon, you'll likely be adding Zee5 because FIFA World Cup 2026 broadcast rights for India have been rescued by Zee. Fancode or F1 TV, for all of us Formula 1 fans. And Apple TV+, if Major League Soccer has your attention.

Two things stand out. First, the aggressive customer-acquisition phase has seamlessly transitioned into an equally aggressive monetisation phase. Secondly, in-between stealthy price hikes, advertisements have been forcibly inserted into what were once top-tier paid plans, giving birth to even higher-tier plans. Your digital monthly bill has likely ballooned without you realising it.

In their latest analysis of India's streaming landscape, Research and Markets estimates that the video streaming market, valued at $8.94 billion in 2024, is expected to reach $23.88 billion by 2030.

The cost, and the value of intelligence

NEW DEIHI, (Agency). A Pizza Hut franchise, which operates more than 110 Pizza Hut outlets in North America, is suing the restaurant giant for using AI that has slowed down once high-performing outlets, resulting in a mess of delays that has hurt sales, seen customer satisfaction plummet and generally been chaotic for restaurant operations. Chaac Pizza Northeast which operates stores across New York, New Jersey, Maryland, Pennsylvania and Washington, D.C., is seeking $100 million in damages for the chain's Dragontail AI dispatch system.

The lawsuit states that the AI system gave DoorDash drivers unusual transparency into specific kitchen operations, allowing them to meddle with the system by delaying pickups, clubbing deliveries together, and selectively picking higher-tip orders. The franchise says that before this AI system, more than 90% of its pizza deliveries reached customers within 30 minutes. Our conversation this week has a larger theme. The cost and the value of intelligence. Many don't realise the two are different.

Yes, you read that right. "Don't use AI just for the sake of using AI." The words of Amazon executive Dave Treadwell, in an internal communication to employees that was reported widely last week. Probably the smartest thing I have heard an AI executive speak, in the longest time. But do you know why we reached this point? Because infected by enthusiasm, Amazon at some point instituted an internal leaderboard system which tracked employees on AI usage.

जैन मंदिर से मूर्तियां चुराने वाले 3 और चोर गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड्रम क्षेत्र स्थित जैन मंदिर में 3 मई की रात हुई बड़ी चोरी की वारदात में पुलिस को सफलता मिली है। एरोड्रम और तेजाजी नगर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फरार चल रहे तीन और आरोपियों को मंगलवार गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई कुछ मूर्तियां भी बरामद की गई हैं।

डीसीपी जोन-1 नरेन्द्र रावत के निर्देशन में गठित टीम ने इस मामले में लगातार कार्रवाई करते हुए तेलंगाना के नांदेड़ क्षेत्र से लखन, दीपक चौहान और रामबाबू को गिरफ्तार किया है। आरोपी महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में छिपते हुए तेलंगाना पहुंचे थे। पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस कर

लगातार निगरानी कर रही थी। सटीक सूचना मिलने पर टीम ने दबिश देकर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की गई मूर्तियों और अन्य सामान को जमीन में छिपाकर रखने की जानकारी दी। पुलिस ने बताए गए स्थान से मूर्तियां बरामद कर ली हैं। मामले में अन्य सामान की बरामदगी के लिए भी पूछताछ जारी है। इस मामले में पुलिस ने 13 मई को ललित चौहान, विशाल केवट, ओमप्रकाश चौहान और गीताबाई मकवाना को गिरफ्तार किया था। इनमें तीन आरोपी खरगोन जिले के निवासी हैं, जबकि गीताबाई तेजाजी नगर क्षेत्र की रहने वाली है। पहले गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में लखन और उसके साथियों के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि चोरी की गई शेष मूर्तियां और कलश फरार आरोपियों के पास हैं। इसके बाद पुलिस ने तलाश तेज करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

अवकाश स्वीकृति को लेकर पुलिस विभाग में ही विवाद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ग्रामीण पुलिस विभाग में अवकाश स्वीकृति को लेकर जारी आदेश पर बड़ा प्रशासनिक विवाद सामने आया है। ग्रामीण एसपी राजेंद्र कुमार वर्मा द्वारा 29 मई को जारी किए गए निर्देशों को इंदौर रेंज के आईजी अनुराग सिंह ने नियमों के विपरीत मानते हुए 2 जून को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। एसपी द्वारा जारी आदेश में जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए थे कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश पर भेजने से पहले संबंधित स्तर पर मंजूरी अनिवार्य होगी।

आदेश में यह भी कहा गया था कि 30 दिन से अधिक अवधि के अवकाश की स्वीकृति स्वयं एसपी द्वारा दी जाएगी, जबकि अन्य अवकाशों के लिए डीएसपी और थाना प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आदेश में तर्क दिया गया था कि कई बार कर्मचारी बिना संज्ञान में लाए अवकाश पर चले जाते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था और संवेदनशील ड्यूटी प्रभावित होती है, इसलिए नियंत्रण व्यवस्था आवश्यक है।

इस आदेश के जारी होने के बाद पुलिस विभाग के भीतर असंतोष की स्थिति बन गई थी और कई थाना प्रभारियों व अधिकारियों ने इस पर आपत्ति जताई थी। मामला उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद इंदौर रेंज आईजी अनुराग सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए आदेश की समीक्षा की और इसे मध्यप्रदेश सिविल सेवा (अवकाश) नियम 2025 तथा पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के अनुरूप नहीं मानते हुए निरस्त कर दिया। आईजी के इस निर्णय के बाद अब इंदौर ग्रामीण पुलिस रेंज में प्रशासनिक अधिकारों और अवकाश स्वीकृति प्रक्रिया को लेकर नई बहस छिड़ गई है, वहीं विभागीय स्तर पर इस पूरे घटनाक्रम को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक